# Dr Raman Kumar Thakur

**Asstt.prof.(Guest) Department of Economics, D.B.College, Jaynagar.**


**Class:-B.A.part-1(H)Paper-2nd .Date:-31-07-2020.**

**Topic:- सार्वजनिक बजट (public Budget):-**

**बजट सरकार की आय एवं व्यय का एक विवरण प्रपत्र होता है .दूसरे शब्दों में बजट विगत वर्ष एवं चालू वर्ष के वित्तीय लेखों का और आगामी वर्ष की आय एवं व्यय के अनुमानों का वार्षिक वित्तीय विवरण प्रपत्र होता है. यह एक ऐसा तुलनात्मक विवरण होता है जिसमें एक वर्ष विशेष की आय की राशियों तथा किए जाने वाले व्ययो को प्रदर्शित किया जाता है।**

*** बजट की विशेषताएं(Importance of Budget):-1) बजट संतुलित होना चाहिए।**

**2) बजट का निर्माण नकदी आधार पर होना चाहिए।**

**3) बजट में आय एवं व्यय संबंधी अनुमान सकल राशि के आधार पर होना चाहिए।**

**4) बजट के अनुमानित आंकड़ों एवं वास्तविक आंकड़ों में निकटता होनी चाहिए.**

**5) बजट एक वित्तीय वर्ष के लिए बनाया जाना चाहिए.**

6) सरकार की संपूर्ण वित्तीय क्रियाओं के लिए एक ही बजट होना चाहिए.

7) बजट में समाप्ति का नियम लागू होना चाहिए.

8) प्रत्येक राज्य में लेखा प्रणाली केंद्रीय लेखा प्रणाली के समान होनी चाहिए.

* बजट का वर्गीकरण (Classification of Budget):-विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए बजट को मुख्य रूप से निम्नवत रुप से वर्गीकृत किया जा सकता है:-

1)कार्य मूलक अथवा क्रियात्मक वर्गीकरण.

2) आर्थिक वर्गीकरण.

3) संगठनात्मक वर्गीकरण.

4) निष्पादन बजट व्यवस्था.

5) कार्यक्रम बजट व्यवस्था.

6) नियोजन कार्यक्रम बजट प्रणाली.

* बजट के विभिन्न रूप(Different form of Budget):-1) रोकड़ बजट :- इस बजट में सरकार की रोकड़ संबंधी समस्त आय एवं व्ययो को रखा जाता हैं । इससे देश की सही आर्थिक स्थिति का ज्ञान हो जाता है.

**2) साधारण बजट :-इस तरह के बजट का निर्माण सामान्य परिस्थितियों में वार्षिक आधार पर किया जाता है परंतु इसमें सरकार की समस्त क्रियाओं का सही-सही विवरण नहीं होता.**

**3) संतुलित बजट:- जब सरकार को प्राप्त होने वाली आय सरकार द्वारा किए जाने वाले व्यय के बराबर होती है ,संतुलित बजट कहा जाता है.**

**4) बहुउद्देशीय बजट:- इस तरह के बजट का मुख्य उद्देश्य देश में वित्तीय नियंत्रण करना तथा वित्तीय योजना को सफल बनाना है. इस प्रकार के बजट अल्पकालीन होते हैं.**

**5) आपातकालीन बजट :-यह बजट आपातकालीन परिस्थितियों के लिए बनाए जाते हैं इन बजटो में संकट का समाधान करने की व्यवस्था की जाती है.**

**6) पूंजीगत बजट :-इस तरह के बजट में केवल पूंजीगत मदो को ही सम्मिलित किया जाता है.**

**7) अधिक्य का बजट:- जब सरकार के बजट में आय की अपेक्षा व्यय कम दिखाया जाता है तब इसे अधिक्य का बजट कहते हैं।**

**8) घाटे का बजट :- जब बजट में आय की तुलना में व्यय अधिक दिखाया जाता है तब उसे घाटे का बजट कहते हैं.**

*** बजट के प्रकार(Types of Budget):-**

**1).पारंपरिक बजट(Traditional Budget)**

**2) निष्पादन बजट (Performance Budget)**

**3)जीरो बेस बजट(Zero Base Budget) .**

**4)आउटकम बजट (Out come Budget) .**

**5)जेंडर बजटिंग( Gender Budgeting).**

*** भारत की बजटीय व्यवस्था(Budgetary System in india):- बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच भाषा के शब्द 'बूजेत' से हुई है. जिसका अर्थ चमड़े का थैला या झोला से होता है. आमतौर पर सरकार के अलावा घर परिवार में भी बजट शब्द का प्रयोग अक्सर किया जाता है लेकिन शायद बहुत ही कम लोगों को पता होगा कि सरकार की वार्षिक आय-व्यय के वितरण के लिए बजट शब्द का प्रयोग कब से प्रारंभ हुआ बजट शब्द के प्रचलन के पीछे एक रोचक बातें यह है कि इंग्लैंड के पूर्व वित्त मंत्री सर बॉल पोल से जुड़ा है. यह किस्सा 1733 का है ब्रिटिश वित्त मंत्री 'सर रॉबर्ट वाल पोल' अपने वित्तीय प्रस्तावों से संबंधित कागजात संसद के सामने पेश करने के लिए एक चमड़े का थैला खोला. इसके कुछ ही दिन बाद वित्त मंत्री रोब'ट बाल पोल का मजाक उड़ाते हुए बजट खुल गया नामक एक पुस्तिका प्रकाशित की गई बस उसी समय से सरकार की वार्षिक आय व्यय के वितरण के लिए बजट शब्द का प्रयोग किया जाने लगा.**

**भारत में पहली बार बजट आधुनिक भारत में बजट की शुरुआत करने का श्रेय ब्रिटिश भारत के पहले वायसराय लॉर्ड कैनिंग को जाता है. आजादी के पूर्व 1920 तक संघीय स्तर पर एक ही बजट बनता था.**

**1921 में सामान्य बजट से रेल बजट को अलग कर दिया गया तब से भारत में संघीय स्तर पर दो बजट पेश किए जाने लगे सामान्य बजट और रेल बजट इसके अलावा भारतीय संघ की प्रत्येक इकाइयों, राज्यों को अपना अलग- अलग बजट होता है.**